किए गए थे, जिनकी कीमत लाखों रुपए

खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

सरकारी सुविधाओं को पहुंचाने में

उन्होंने कहा कि समाज में ऐसे कई सारे परिवार हैं जो सरकारी

भेदभाव के पहुंचाए।

'वीरता और साहस की मिसाल, युग प्रवर्तक हिंद की चादर श्री गुरु तेग बहादुर'

'महंत राम प्रकाश दास सरकारी कालेज में करवाया ऑनलाइन वैबीनार'

मुकेरियां, 23 मई (सुदर्शन): महंत राम प्रकाश दास सरकारी कालेज तलवाड़ा में वीरता और साहस की मिसाल, युग प्रवर्तक हिंद की चादर श्री गुरु तेग बहादुर के 400वें प्रकाश उत्सव पर पर ऑनलाइन वैबीनार करवाया गया। इसका शुभारंभ करते हुए प्रिंसीपल वी.आर. राणा ने कहा कि धर्म की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देकर सर्वोच्च बलिदान देने वाले गुरु तेग बहादुर सिख धर्म के नौवें गुरु थे। विश्व इतिहास में धर्म और मानवीय मूल्यों, आदर्शों एवं सिद्धांत की रक्षा के लिए प्राणों की आहुति देने वालों में गुरु तेग बहादुर साहिब का स्थान अद्वितीय है।

वाइस प्रिंसीपल कश्मीरी लाल ने बताया कि गुरु तेग बहादुर जी का जन्म पंजाब के अमृतसर में गुरु हरगोबिंद साहिब जी के घर हुआ था। बचपन में उनका नाम त्यागमल था। वे बाल्यकाल से ही धार्मिक, निर्भीक, विचारवान और दयालु स्वभाव के थे। कार्यक्रम के समन्वयक अजय कुमार अर्श ने जानकारी देते हुए कहा कि औरंगजेब ने सबको इस्लाम धर्म अपनाने का आदेश दे दिया। उसके अत्याचारों व यातनाओं से त्रस्त भारतीय जन समुदाय ने गुरु जी से अपने धर्म को बचाने की गुहार लगाई। सन् 1675 में धर्म की रक्षा के लिए गुरु तेग बहादुर जी ने अपना बलिदान दिया था। इस्लाम धर्म को अपनाने से इंकार करने पर मुगल बादशाह औरंगजेब ने गुरु जी को मौत की सजा देकर शहीद कर दिया था।

ऑनलाइन वैबीनार में अपने विचार पेश करते वक्ता। (सुदर्शन)

दिल्ली स्थित गुरुद्वारा शीशगंज साहिब और गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब उनके सर्वोच्च बलिदान का प्रतीक स्थल हैं।

दरअसल, गुरु तेग बहादुर जी की याद में उनके शहीदी स्थल पर जो गुरुद्वारा बना है, उसे गुरुद्वारा शीशगंज साहिब के नाम से जाना जाता है।

मुख्य वक्ता डा. सर्वजोत सिंह ने कहा कि गुरु जी मानवीय धर्म एवं वैचारिक स्वतंत्रता के लिए अपनी महान शहादत देने वाले एक क्रांतिकारी युग पुरुष थे। इस अवसर पर प्रो. मनमिन्द्र ढिल्लों, प्रो. सचदेव गिल, प्रो. सतनाम सादिक, प्रो. गुरमीत कौर, प्रो. गुरसेवक सिंह ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त कर गुरु जी को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

ਗੁਰੂ ਤੇਗ਼ ਬਹਾਦਰ ਜੀ ਨੂੰ ਸਮਰਪਿਤ ਵੈਬੀਨਾਰ ਕਰਵਾਇਆ

ਪੱਤਰ ਪ੍ਰੇਰਕ, ਮੁਕੇਰੀਆਂ : ਐੱਮਆਰਪੀਡੀ ਸਰਕਾਰੀ ਕਾਲਜ ਤਲਵਾੜਾ ਵੱਲੋਂ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਤੇਗ. ਬਹਾਦਰ ਜੀ ਦੇ ਚਾਰ ਸੌ ਸਾਲਾਂ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਉਤਸਵ ਨੂੰ ਸਮਰਪਿਤ ਵੈਬੀਨਾਰ ਸੀਰੀਜ਼ ਦੌਰਾਨ ਪੰਜਵਾਂ ਆਨਲਾਈਨ ਵੈਬੀਨਾਰ ਕਰਵਾਇਆ ਗਿਆ।

ਵੈਬੀਨਾਰ ਦੀ ਸ਼ੁਰੂਆਤ ਵਿੱਚ ਕਾਲਜ ਦੇ ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ ਡਾ. ਬੀਆਰ ਰਾਣਾ ਨੇ ਜਿੱਥੇ ਵੈਬੀਨਾਰ ਦੇ ਮੁੱਖ ਬੁਲਾਰੇ ਡਾ. ਹਰਜੋਧ ਸਿੰਘ ਪੰਜਾਬੀ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਪਟਿਆਲਾ ਨੂੰ ਜੀ ਆਇਆਂ ਕਿਹਾ ਉੱਥੇ ਹੀ ਵੈਬੀਨਾਰ ਨਾਲ ਆਨਲਾਈਨ ਜੁੜੇ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਸਕੂਲਾਂ, ਕਾਲਜਾਂ, ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀਆਂ ਤੋਂ ਪਾਠਕਾਂ, ਸਰੋਤਿਆਂ, ਖੋਜ਼ੀ ਵਿਦਵਾਨਾਂ, ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਅਤੇ ਪ੍ਰੋਫ਼ੈਸਰ ਦਾ ਵੀ ਸਵਾਗਤ ਕੀਤਾ। ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ ਰਾਣਾ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਅਜਿਹੇ ਵੈਬੀਨਾਰਾਂ 'ਚ ਵਿਚਾਰੇ ਜਾਂਦੇ ਵਿਸ਼ੇ ਮੌਜੂਦਾ ਅਤੇ ਅਗਲੇਰੀ ਪੀੜ੍ਹੀ ਲਈ ਆਪਣੇ ਵਿਰਸੇ, ਸੱਭਿਆਚਾਰ ਅਤੇ ਇਤਿਹਾਸ ਨੂੰ ਜਾਣਨ ਅਤੇ ਸਾਂਭਣ ਵਿੱਚ ਬਹੁਤ ਲਾਹੇਵੰਦ ਸਾਬਤ ਹੋਣਗੇ।

ਵੈਬੀਨਾਰ ਕਨਵੀਨਰ ਪ੍ਰੋ. ਅਜੈ ਕੁਮਾਰ ਅਰਸ਼ ਨੇ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਪੰਜਵੇਂ ਆਨਲਾਈਨ ਵੈਬੀਨਾਰ ਦਾ ਵਿਸ਼ਾ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਤੇਗ ਬਹਾਦਰ

ਐੱਮਆਰਪੀਡੀ ਸਰਕਾਰੀ ਕਾਲਜ ਤਲਵਾੜਾ ਵੱਲੋਂ ਕਰਵਾਏ ਵੈਬੀਨਾਰ ਵਿਚ ਸ਼ਮੂਲੀਅਤ ਕਰਦੇ ਹੋਏ ਵਿਸ਼ਾ ਮਾਹਰ ਤੇ ਵਿਦਵਾਨ।

ਪੰਜਾਬੀ ਜਾਗਰਣ

ਜੀ ਦੀ ਸ਼ਹਾਦਤ ਅਤੇ ਕਾਰਨ ਹੈ ਜਿਸ ਉੱਤੇ ਸਿਰਫ਼ ਇਤਿਹਾਸਕ ਪਹਿਲੂਆਂ ਤੋਂ ਹੀ ਵਾਚਣ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਨਹੀਂ ਸਗੋਂ ਇਸ ਪਿੱਛੇ ਕੰਮ ਕਰ ਰਹੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਾਰਨਾਂ ਨੂੰ ਖੋਜ਼ੀ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਤੋਂ ਸਾਹਮਣੇ ਲਿਆਉਣ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਹੈ ਜਿਸ ਵਜ੍ਹਾ ਕਰਕੇ ਗੁਰੂ ਸਾਹਿਬ ਨੇ ਜ਼ੁਲਮ ਦਾ ਡਟ ਕੇ ਸਾਹਮਣਾ ਕੀਤਾ ਅਤੇ ਜ਼ਾਲਮ ਮੁਗਲਾਂ ਦੇ ਅਨਿਆਂ ਭਰੇ ਵਤੀਰੇ ਦਾ ਮੁਕਾਬਲਾ ਕਰਦਿਆਂ ਆਪਣੇ ਆਪ ਨੂੰ ਕੁਰਬਾਨ ਕੀਤਾ ਅਤੇ 'ਹਿੰਦ ਦੀ ਚਾਦਰ' ਅਖਵਾਏ।

ਮੁੱਖ ਬੁਲਾਰੇ ਡਾ. ਹਰਜੋਧ ਸਿੰਘ ਨੇ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਤੇਗ. ਬਹਾਦਰ ਜੀ ਦੀ ਦੇਸ਼ ਲਈ ਦਿੱਤੀ ਸ਼ਹਾਦਤ ਤੇ ਉਸ ਪਿੱਛੇ ਚੱਲਦੇ ਕਾਰਨਾਂ ਨੂੰ ਬੜੀ ਡੂੰਘੀ ਤੇ ਖੋਜ਼ ਭਰੀ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਤੋਂ ਵਿਚਾਰਦਿਆਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਗੁਰੂ ਸਾਹਿਬ ਜਿੱਥੇ ਮਹਾਨ ਗੁਰੂ ਹਨ ਉੱਥੇ ਹੀ ਉਹ ਇਨਸਾਨੀਅਤ ਨੂੰ ਬਚਾਉਣ ਵਾਲੇ ਮਹਾਨ ਪੁਰਸ਼ ਵੀ ਹਨ ਕਿਉਂਕਿ ਦੇਸ਼ ਕੌਮ ਲਈ ਜ਼ੁਲਮ ਅਤੇ ਜ਼ਾਲਿਮ ਵਿਰੁੱਧ ਦਿੱਤੀ ਕੁਰਬਾਨੀ ਅਸਲ ਸ਼ਹਾਦਤ ਹੁੰਦੀ ਹੈ।

ਵੈਬੀਨਾਰ ਦੇ ਅਖ਼ੀਰ ਵਿੱਚ ਕਾਲਜ ਦੇ ਵਾਈਸ ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ ਡਾ. ਕਸ਼ਮੀਰੀ ਲਾਲ ਨੇ ਜਿੱਥੇ ਵੈਬੀਨਾਰ ਦੇ ਮੁੱਖ ਬੁਲਾਰੇ ਡਾ.ਹਰਜੋਧ ਸਿੰਘ ਦਾ ਸੰਬੰਧਿਤ ਵਿਸ਼ੇ ਨੂੰ ਵਿਸਥਾਰਪੂਰਬਕ ਪਾਠਕਾਂ ਤੇ ਸਰੋਤਿਆਂ ਸਾਹਮਣੇ ਵਿਆਖਿਆਨ ਕਰਨ ਲਈ ਧੰਨਵਾਦ ਕੀਤਾ ਉੱਥੇ ਹੀ ਸਥਾਨਕ ਕਾਲਜ ਤੋਂ ਜੁੜੇ ਪ੍ਰੋਫ਼ੈਸਰ ਸਹਿਬਾਨਾਂ, ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ, ਵੱਖ-ਵੱਖ ਥਾਂਵਾਂ ਤੋਂ ਵੈਬੀਨਾਰ ਵਿੱਚ ਸ਼ਾਮਿਲ ਖੋਜ਼ੀ ਵਿਦਵਾਨਾਂ ਦਾ ਵੀ ਧੰਨਵਾਦ ਕੀਤਾ ਅਤੇ ਨਾਲ ਹੀ ਵੈਬੀਨਾਰ ਕਨਵੀਨਰ ਪ੍ਰੋ. ਅਜੈ ਕੁਮਾਰ ਅਰਸ਼ ਨੂੰ ਅਜਿਹੇ ਆਨਲਾਈਨ ਵੈਬੀਨਾਰਾਂ ਦਾ ਆਯੋਜਨ ਕਰਨ ਤੇ ਸੁਚਾਰੂ ਰੂਪ ਵਿੱਚ ਚਲਾਉਣ ਲਈ ਵਧਾਈ ਵੀ ਦਿੱਤੀ।

राष्ट्र और इंसानियत के लिए दमन और उत्पीड़न के विरूद्ध बलिदान, वास्तविक शहादत : डॉ हरजोध सिंह

तलवाड़ा /पवन शर्मा

पंजाब सरकार के निर्देशों का पालन करते हुए, महन्त राम प्रकाश दास सरकारी गवर्नमेंट कॉलेज, तलवाड़ा ने गुरु तेग बहादुर की 400वीं जयंती को समर्पित वेबिनार श्रृंखला के दौरान मई-जून के महीनें में पांचवां ऑनलाइन वेबिनार आयोजित किया। इस वेबिनार की शुरुआत में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ बी.आर राणा जहां वेबिनार के मुख्य वक्ता डॉ. पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला के हरजोध सिंह ने इस वेबिनार से ऑनलाइन

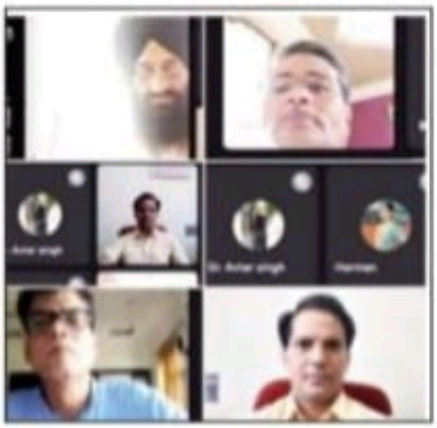

जुड़े विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों के पाठकों, श्रोताओं, शोधार्थियों, शिक्षकों और प्रोफेसरों का भी स्वागत किया। वेबिनार कन्वीनर प्रो. अजय कुमार अर्श ने कहा कि यह पांचवे ऑनलाइन वेबिनार में श्री गुरु तेगबहादुर जी की शहादत के बारे में बताया। अंत में कॉलेज के वाइस प्रिंसिपल डॉ. कश्मीरी लाल ने वेबीनार के मुख्य प्रवक्ता डॉ. हरजोध सिंह को पाठकों और श्रोताओं के सामने इस विषय पर विस्तार से बताने के लिए धन्यवाद किय ।

इसी के साथ वेबिनार के संयोजक प्रो. अजय कुमार अर्श को ऐसे ऑनलाइन वेबिनार को सुचारू रूप से चलाने और संयोजन करने के लिए बधाई दी गई ।

'श्री गुरु तेग बहादुर जी को समर्पित ऑनलाइन करवाया कवि सम्मलेन'

मुकेरियां 27 जून (स.ह.): कोरोना नियमों के तहत महंत राम प्रकाश दास सरकारी कालेज तलवाड़ा में पंजाब के पोस्ट ग्रेजुएट पंजाबी विभाग द्वारा श्री गुरु तेग बहादुर जी की 400वीं जयंती को समर्पित आयोजित 8वें वैबीनार में ऑनाइन कवि सम्मेलन करवाया, जिसमें पर गुरु जी के जीवन दर्शन, वैराग्य और शहादत से संबंधित काव्य उच्चारण किया गया।

गवर्नमैंट कालेज तलवाड़ा में श्री गुरु तेग बहादुर जी को समर्पित कवि सम्मेलन में हिस्सा लेते प्रतिभागी।

इस दौरान पंजाब, पंजाबी और पंजाबियत को समर्पित कवि मंजीत इंदिरा, गजलगो जनाब गुरचरण बदन, मनदीप कौर प्रीत मुकेरियां, दीपक हाजीपुरिया और पंजाबी विभाग प्रमुख डा. सुरजीत सिंह तलवाड़ा ने हिस्सा लिया। वैबीनार की शुरूआत में वाइस प्रिंसिपल डा. कश्मीरी लाल ने सबका अभिनंदन किया गया। इस दौरान कार्यक्रम के संयोजक प्रो. अजय कुमार अर्श ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी ने पूरे देश और मानवता को जीवित रखने के लिए अपने जीवन का बलिदान देकर साबित कर दिया कि मानवता के प्रति प्रेम की भावना रखने वाला हृदय इंसानियत के लिए शीश कटवाने से पीछे भी नहीं हटता है। ऐसे महापुरुषों के जीवन, दर्शन, भक्ति, वैराग्य और शहादत को समर्पित होकर काव्य स्तुति करना बड़े भाग्य की बात होती है। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य बी.आर. राणा ने सभी पाठकों, श्रोताओं और शोधार्थियों का अत्यंत विनम्रता, संयम और सौहार्द के साथ धन्यवाद दिया।

आनलाइन | एमआरपीडी गवर्नमेंट कालेज में कराया गुरु तेग बहादुर की 400वीं जयंती के उपलक्ष्य में वेबिनार

गुरु जी का बलिदान मानवता के लिए था : डा. राणा

संवाद सहयोगी, तलवाड़ा: एमआरपीडी गवर्नमेंट कालेज में गुरु तेग बहादुर की 400वीं जयंती के मद्देनजर पांचवां आनलाइन वेबिनार आयोजित किया गया। इस अवसर पर कालेज प्रिंसिपल डा. बीआर राणा ने वेबिनार के मुख्य वक्ता पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला के डा. हरजोध सिंह सहित सभी उपस्थित लोगों का स्वागत किया।

राणा ने कहा कि इस तरह के वेबिनार में चर्चा किए गए विषय वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों के लिए अपनी विरासत, संस्कृति और इतिहास को जानने और संरक्षित करने के लिए बहुत उपयोगी होंगे। गुरु जी का बलिदान केवल सिखों के लिए ही नहीं बल्कि पूरी मानवता के लिए ही था ।

इस बारे में कन्वीनर प्रो. अजय कुमार अर्श ने कहा कि इस वेबिनार का विषय गुरु तेग बहादुर जी की शहादत का कारण क्या रहा था। इसे न केवल ऐतिहासिक दृष्टि से पढ़ने की जरूरत है बल्कि इसके पीछे के कारणों को भी सामने लाने की जरूरत है। गुरु जी ने बहादुरी से दमन का सामना किया और अत्याचारी मुगलों के अन्यायपूर्ण व्यवहार के सामने खुद को बलिदान कर दिया और हिंद की चादर भी कहलाए।

डा. हरजोध सिंह मुख्य वक्ता ने गुरु तेग बहादुर की शहादत के कारणों पर गहन और गहराई से नजर डाली। उन्होंने कहा कि जहां गुरु साहिब महान गुरु हैं, वहीं मानवता की रक्षा करने वाले महान रक्षक भी रहे हैं। इंसानियत की रक्षा के लिए, देश और कौम के लिए अत्याचारी व अत्याचार के खिलाफ दिया गया बलिदान ही असल शहादत है। गुरु जी द्वारा दी गई शहादत के कारण हिंदुस्तान के सभी धर्मों के लोग गुरु साहिब के सदैव ऋणी रहेंगे ।

अंत में कालेज के वाइस प्रिंसिपल डा. कश्मीरी लाल ने वेबिनार के मुख्य प्रवक्ता डा. हरजोध सिंह को पाठकों और श्रोताओं के सामने इस विषय पर विस्तार से बताने के लिए धन्यवाद किया। साथ ही कालेज के प्रोफेसरों, छात्रों व वेबिनार में विभिन्न स्थानों से शामिल शोध विद्वानों का भी धन्यवाद किया। इसी के साथ वेबिनार के संयोजक प्रो. अजय कुमार अर्श को ऐसे आनलाइन वेबिनार को सुचारू रूप से चलाने और संयोजन करने के लिए बधाई दी।

एमआरपीडी गवर्नमेंट कालेज में आयोजित वेबिनार में भाग लेते शिक्षक व विद्यार्थी ● जागरण

पंजाब केसरी
SUN,30 MAY 2021
EDITION: HOSHIARPUR KESARI, PAGE NO. 3

'मानवता की भलाई व रक्षा के लिए श्री गुरु तेग बहादुर का सर्वोच्च बलिदान'

मुकेरियां, 29 मई (सुदर्शन): पंजाब सरकार के निर्देशों का पालन करते हुए महंत राम प्रकाश दास सरकारी कालेज तलवाड़ा में श्री गुरु तेग बहादुर जी की 400वीं जयंती को समर्पित 5वां वैबीनार आयोजित किया गया। इसमें मुख्य वक्ता पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला के डा. हरजोध सिंह ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुरी जी ने मानवता की भलाई व रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया, जिसके हिंदुस्तान के सभी धर्मों के लोग गुरु साहिब के सदैव ऋणी रहेंगे।

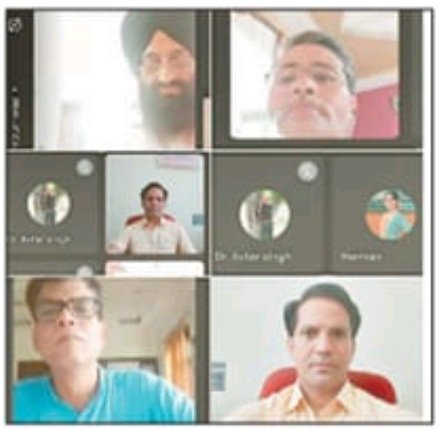

एम.आर.पी.डी. गवर्नमैंट कालेज में श्री गुरु तेग बहादुर जी के प्रकाश पर्व को समर्पित वैबीनार में विचार पेश करते प्रतिभागी।

इससे पहले महाविद्यालय के प्राचार्य डा. बी.आर. राणा ने कहा कि गुरु जी का बलिदान केवल सिखों के लिए नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए था। इस तरह के वैबीनार वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों के लिए अपनी विरासत, संस्कृति और इतिहास को जानने और संरक्षित करने के लिए बहुत उपयोगी होंगे। वैबीनार के कन्वीनर प्रो. अजय कुमार अर्श ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी का सर्वोच्च बलिदान संदेश देता है कि सार्वभौमिक रूप से मानवीय गरिमा, स्वतंत्रता, उपासना, शिक्षा और जीने की जरूरतों आदि जीवन मूल्यों का अधिकार हर इंसान को है। गुरु जी ने अपनी जिंदगी मानवीय मूल्यों के संरक्षण के लिए कुर्बान कर दी थी, इसलिए वह हिंद की चादर कहलाए।

इस दौरान वाइस प्रिंसीपल डा. कश्मीरी लाल ने प्रतिभागियों का आभार जताया व युवा वर्ग को श्री गुरु तेग बहादुर जी के जीवन से प्रेरणा लेकर समानता, सद्भाव और त्याग का रास्ता अख्तियार कर राष्ट्र व समाज के कल्याण के लिए कार्य करने का आह्वान किया।

तलवाड़ा कॉलेज में वेबिनार

भास्कर न्यूज | तलवाड़ा

सरकार के निर्देशों का पालन करते हुए एमआरपीडी गवर्नमेंट कॉलेज तलवाड़ा ने गुरु तेग बहादुर की 400 वीं जयंती को समर्पित वेबिनार श्रृंखला के दौरान मई-जून के महीने में पांचवां वेबिनार आयोजित किया। वेबिनार में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ बीआर राणा ने जहां वेबिनार के मुख्य वक्ता डॉ. पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला के हरजोध सिंह ने इस वेबिनार से ऑनलाइन जुड़े विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों के पाठकों, श्रोताओं, शोधार्थियों, शिक्षकों और प्रोफेसरों का भी स्वागत किया। प्रधानाचार्य राणा ने कहा कि इस तरह के वेबिनार में चर्चा किए गए विषय वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों के लिए अपनी विरासत, संस्कृति और इतिहास को जानने और संरक्षित करने के लिए बहुत उपयोगी होंगे। गुरुजी का बलिदान केवल सिखों के लिए नहीं था तथागत पूरी मानवता के लिए था वेबिनार कन्वीनर प्रो. अजय कुमार अरास ने कहा कि यह पांचवे ऑनलाइन वेबिनार का विषय है गुरु तेग बहादुर जी का कारण और शहादत। जिसे न केवल ऐतिहासिक दृष्टि से पढ़ने की जरूरत है बल्कि इसके पीछे के कारणों को भी सामने लाने की जरूरत है।